ओसाका ने कोर्ट पर किया कमाल

दर्द को मात देकर भावनाओं के साथ बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

- ओसाका ने 7-6, 3-6, 6-2 से सूज़न लैमेन्स को हराया
- मैच 2 घंटे 20 मिनट तक चला, ओसाका भावुक हुई

ओसाका (जापान), 15 अक्टूबर. शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने बुधवार को जापान ओपन में मौजूदा चैंपियन सूज़न लैमेन्स के खिलाफ चोट से जूझते हुए तीन सेटों के कड़े मुकाबले में जीत हासिल कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. अपनी सरजमीं पर तीन साल में अपना पहला एकल टूर्नामेंट खेल रही ओसाका ने 2 घंटे 20 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले को 7-6 (8/6), 3-6, 6-2 से जीता.

अपनी जीत का शॉट लगाने के बाद ओसाका भावुक हो गईं और उनकी आँखों में आँसू छलक आए, क्योंकि उनकी बाईं टांग की चोट ने उन्हें काफी परेशान किया.

ओसाका ने स्वीकारा कठिन मुकाबला

मैच के बाद ओसाका ने ऑन-कोर्ट इंटरव्यू में कहा, यह यकीनन बहुत मुश्किल था. मैं अपने रवैये के लिए माफ़ी चाहती हूँ. चोट के कारण उनका यह इंटरव्यू जल्दी समाप्त करना पड़ा.

अंतिम सेट में लगी चोट: पूर्व वर्ल्ड नंबर एक ओसाका निर्णायक सेट में 5-0 से आगे चल रही थीं, तभी उन्हें अपनी बाईं टांग के इलाज के लिए मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा. चोट के बावजूद, वह जांघ पर भारी पट्टियाँ बांधकर कोर्ट पर लौटीं. हालाँकि, उन्हें अगले दो गेम गंवाने पड़े, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए मैच को अपने नाम कर लिया. चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका (27) ने बैकहैंड विनर लगाकर मैच खत्म किया, जिसके बाद वह झुक गईं और अपने चेहरे पर हाथ रख लिया. नेट की ओर बढ़ते हुए वह अपने आँसू रोकती हुई दिखीं.

> फिलहाल वर्ल्ड रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज़ ओसाका, यूएस ओपन सेमीफाइनल में हार के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही हैं. बेटी को जन्म देने के बाद 2024 की शुरुआत में कोर्ट पर लौटी ओसाका 2021 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से किसी भी बड़े टूर्नामेंट के दूसरे सप्ताह में नहीं पहुँच पाई थीं. क्वार्टर फाइनल में ओसाका का मुकाबला रोमानिया की जैक्लीन क्रिस्टियन से होगा.

मोहन बागान ने फाइनल में बनाई जगह

कोलकाता. मोहन बागान सुपर जायंट्स ने किशोर भारती क्रिरंगण में खेले गए आईएफए शील्ड के ग्रुप स्टेज मैच में यूनाइटेड स्पोर्ट्स क्लब को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया. अब बागान का सामना 18 अक्टूबर को सॉल्ट लेक स्टेडियम में अपने पुरानी प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल से होगा.मैच में डिमिट्रियस पेत्राटोस और जैसन कमिंग्स ने शानदार प्रदर्शन किया. पहला गोल पेत्राटोस ने पहले हाफ के अंतिम मिनट में किया, जब उन्होंने बाएं तरफ से आए कमिंग्स के क्रॉस को नेट में डाला. दूसरे हाफ की शुरुआत में कमिंग्स का शॉट गोलकीपर सुभ्रत सेनत्रा ने रोका, लेकिन गेंद नेट में चली गई, जिससे स्कोर 2-0 हो गया. यूनाइटेड का सबसे अच्छा मौका 66वें मिनट में आया जब स्रीनाथ ने बॉक्स में वॉली शॉट किया, लेकिन बागान के गोलकीपर सैयद जाहिद हुसैन बुखारी ने इसे बेहतरीन तरीके से बचा लिया.मोहन बागान ने 1911 में आईएफए शील्ड जीतकर इतिहास रचा था और अब यह टूर्नामेंट में 20 खिताब जीतने वाला दूसरा सबसे सफल क्लब है.

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय और अफगान खिलाड़ियों का जलवा

कुलदीप, जायसवाल, राशिद और जादरान ने किया कमाल, रैंकिंग में लगाई बड़ी छलांग

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में भारतीय और अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी छलांग लगाई है. भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में आठ विकेट लेने के बाद अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की है.

कुलदीप यादव ने टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाते हुए 14वां स्थान प्राप्त किया है. वेस्टइंडीज के गेंदबाजों में जोमेल वारिकन 30वें और कप्तान रोस्टन चेज़ 57वें स्थान पर पहुंचे हैं. बल्लेबाजी रैंकिंग में, भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 175 रन बनाकर दो पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर आ गए हैं. केएल राहुल भी 38 और 58 नाबाद की पारियों के बाद दो स्थान ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं. वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों में शाई होप 66वें और जॉन कैम्पबेल 68वें स्थान पर पहुंचे हैं, जिन्होंने दूसरी पारी में शतक बनाए थे.

वनडे (एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय) रैंकिंग में अफगानिस्तान के लेग-स्पिनर राशिद खान ने एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल किया है. बांग्लादेश के खिलाफ 3-0 की सीरीज जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए, राशिद ने 11 विकेट लिए, जिसमें दूसरे मैच में पांच विकेट भी शामिल थे.

> अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई सात विकेट लेकर 19 स्थानों की छलांग के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ 21वें स्थान पर पहुंचे हैं. बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज (24वें) और तंज़ीम हसन साकिब (67वें) ने भी रैंकिंग में सुधार किया है. वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में, अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान ने सीरीज में कुल 213 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीता और आठ पायदान की छलांग लगाते हुए अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं. जादरान ने 686 अंकों के साथ किसी भी अफगान खिलाड़ी द्वारा प्राप्त की गई अब तक की सबसे अधिक बल्लेबाजी रेटिंग हासिल करके इतिहास रच दिया है, जो देश के किसी भी वनडे बल्लेबाज की सबसे ऊंची रैंकिंग भी है.

एक नजर में

ईशान किशन के शतक ने झारखंड को संभाला

चेन्नई. कप्तान ईशान किशन के नाबाद शतक और साहुल राज के अर्धशतक की बदौलत झारखंड ने मुश्किल हालात से उबरते हुए आज कोयंबटूर में तमिलनाडु के खिलाफ पहले एलीट ए ग्रुप रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के पहले दिन छह विकेट पर 307 रन बनाए. पहले बल्लेबाजी करते हुए, झारखंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और 51 ओवर में छह विकेट पर 157 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था. हालांकि, बाएं हाथ के बल्लेबाज ईशान किशन ने अपना नौवां प्रथम श्रेणी शतक जड़कर टीम को संकट से उबारा और इस दौरान आठवें नंबर के बल्लेबाज साहुल राज के साथ सातवें विकेट के लिए 39 ओवर में 150 रन जोड़कर टीम को सम्मानजनक स्थिति में पहुँचाया. दिन की समाप्ति के समय ईशान किशन 125 रन (183 गेंद, 14 चौके, 2 छक्के) बनाकर खेल रहे थे और टीम को अच्छा स्कोर बनाने में मदद करने के लिए इससे पहले सलामी बल्लेबाज शरणदीप सिंह ने 48 रन बनाए, जबकि शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज बाएँ हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह के हाथों आउट हो गए, जिन्होंने शीर्ष क्रम को ध्वस्त करते हुए तीन विकेट लिए. बाएं हाथ के स्पिनर डी. टी. चंद्रशेखर ने दो विकेट लेकर सराहनीय सहयोग दिया.

संक्षिप्त स्कोर : झारखंड 90 ओवर में 6 विकेट पर 307 रन (शरणदीप सिंह 48, ईशान किशन नाबाद 125, साहिल राज नाबाद 64, गुरजपनीत सिंह 51 रन पर 3 विकेट, डी. टी. चंद्रशेखर 99 रन पर 2 विकेट)

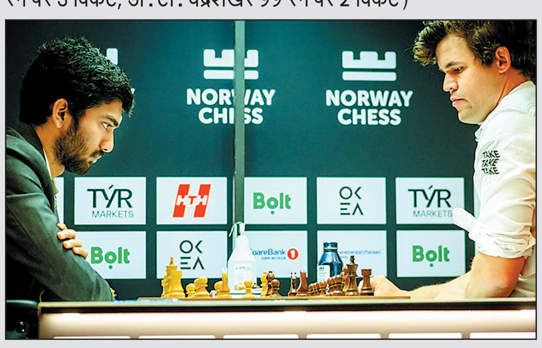

नॉर्वे चैस ने लॉन्च किया वर्ल्ड चैम्पियनशिप टूर

चेन्नई. नॉर्वे चैस आयोजकों ने बुधवार को टोटल चैस वर्ल्ड चैम्पियनशिप टूर की घोषणा की, जो प्रत्येक वर्ष चार टूर्नामेंटों के साथ आयोजित होगी और तीन प्रारूपों—फास्ट क्लासिक, रैपिड और ब्लिट्ज़—में संयुक्त विजेता का खिताब तय करेगी. नॉर्वे चैस के सीईओ कजेल मैडलैंड ने कहा कि इस टूर्नामेंट के लिए अंतरराष्ट्रीय शतरंज संघ के साथ लंबी अवधि का समझौता किया गया है और यह 2027 से वार्षिक आयोजन के रूप में शुरू होगा. उन्होंने इसे शतरंज कैलेंडर की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक बनने की उम्मीद जताई. मैडलैंड ने बताया कि टूर में चार टूर्नामेंट आयोजित होंगे, जिनमें प्रत्येक वर्ष न्यूनतम 27 लाख अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार वितरण होगा. पहले तीन आयोजनों के लिए 7.5 लाख डॉलर और फाइनल के लिए 4.5 लाख डॉलर का पुरस्कार रखा गया है, साथ ही प्रदर्शन बोनस भी शामिल होंगे. 2026 में पायलट टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा और 2027 में पहला पूरा सत्र शुरू होगा. फास्ट क्लासिक प्रारूप 45 मिनट की समय सीमा के साथ पारंपरिक शतरंज का नवोन्मेष है और इसे रेटिंग प्रदान की जाएगी. इस पहल की अवधारणा इस तथ्य से प्रेरित हो सकती है कि विश्व के नंबर 1 और 2 खिलाड़ी, मैग्नस कार्लसन और हिकारु नाकामुरा ने हाल ही में पारंपरिक प्रारूप से दूर होकर रैपिड और ब्लिट्ज़ टूर्नामेंटों में खेलना शुरू किया है.

रणजी ट्रॉफी मैच के पहले दिन का खेल रद्द

शिलांग. मेघालय और मिजोरम के बीच रणजी ट्रॉफी 2025-26 प्लेट ग्रुप मैच के पहले दिन आउटफील्ड गीली होने के कारण खेल नहीं हो सका. यह मैच आज सुबह 8:30 बजे पोलो स्थित एमसीए ग्राउंड पर शुरू होना था, लेकिन पिछले दिनों हुई भारी बारिश के कारण जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के पास मैदान का एक हिस्सा गीला हो गया. ग्राउंड स्टाफ ने पूरे दिन मैदान को सुखाने की कोशिश की, लेकिन दोपहर 2 बजे के निरीक्षण के बाद अंपायर विनोद इंगले और धर्मेश कुमार भारद्वाज ने खेल रद्द करने का फैसला किया. दोपहर में मैदान पर काले बादल छाए रहे, जिससे और बारिश की आशंका थी. हालाँकि, कल धूप खिली रहने की उम्मीद है. खेल न होने के बावजूद, मेघालय क्रिकेट संघ ने अंपायरों, मैच रेफरी अमित पाठक, वरिष्ठ वीडियो विश्लेषक उत्पल दास और बीसीसीआई के तटस्थ क्यूरेटर बी तालुकदार को सम्मानित किया.

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेज़बानी भारत के लिए गौरवपूर्ण क्षण : नीता

- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और समर्थन के लिए आभार व्यक्त

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर.रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष नीता एम. अंबानी ने कहा कि वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी के लिए भारत की सिफारिश होना, देश की एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में ऐतिहासिक मील का पत्थर है.

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत की खेल भावना, प्रतिभा और उभरते हुए खेल पारिस्थितिकी तंत्र का उत्सव है. नीता अंबानी ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और अटूट समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी का यह क्षण ओलंपिक खेलों को भारत में लाने के साझा सपने को साकार करने की दिशा में एक और बड़ा कदम है.

> नीता अंबानी ने कहा कि भारत अब विश्व खेल मानचित्र पर नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर है. यह पहल न केवल खिलाड़ियों को वैश्विक मंच प्रदान करेगी, बल्कि देश में खेल संस्कृति को भी और सशक्त बनाएगी. उन्होंने अपने संदेश का समापन जय हिंद के उद्घोष के साथ किया.

गिल की असली परीक्षा अभी बाकी : गंभीर

कोच ने की तारीफ, लेकिन चेताया—कप्तानी के मुश्किल दिन आने वाले हैं

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर.वेस्टइंडीज पर टेस्ट सीरीज़ में मिली जीत के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पहली एकदिवसीय कप्तानी के लिए तैयार हैं. इसी बीच, टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने गिल की कप्तानी की यात्रा पर अपने विचार साझा किए हैं. गंभीर ने जियोस्टार के साथ एक विशेष बातचीत में गिल के दबाव में शांत रहने और नेतृत्व गुणों की सराहना की, लेकिन साथ ही आगाह भी किया कि उनकी सबसे कठिन परीक्षा अभी आनी बाकी है.

गंभीर ने गिल की कप्तानी के शुरुआती दौर पर टिप्पणी करते हुए कहा, अभी तो शुरुआत है. उन्होंने अभी तक केवल कुछ ही टेस्ट मैचों में कप्तानी की है. मुझे उनका सबसे महत्वपूर्ण गुण दबाव और कठिन परिस्थितियों को संभालने की उनकी क्षमता दिखाई देती है.

गंभीर ने यह भी स्पष्ट किया कि वह हमेशा गिल का समर्थन करने के लिए मौजूद रहेंगे. उन्होंने अपनी भूमिका को परिभाषित करते हुए कहा, एक कोच के रूप में मेरी भूमिका उनके कंधों से दबाव और आलोचना को कम करना है, बशर्ते वह टीम के लिए सही काम करें और ड्रेसिंग रूम के अंदर खिलाड़ियों के साथ पारदर्शी और ईमानदार रहें. यही सम्मान अर्जित करने का आधार है.

इंग्लैंड दौरा बना निर्णायक चुनौती: गिल के कप्तान के रूप में शुरुआती दिनों को याद करते हुए गंभीर ने इंग्लैंड दौरे को कप्तानी की सबसे कठिन परीक्षा बताया. उन्होंने कहा कि पहले ही दिन गिल से साफ कह दिया गया था कि उन्हें गहरे समुद्र में फेंक दिया गया है - या तो वह डूब जाएँगे या विश्वस्तरीय तैराक बन जाएंगे.

इंग्लैंड में बनाए गए उनके 750 रनों को महत्व न देते हुए गंभीर ने कहा कि सबसे ज़्यादा मायने यह रखता था कि उन्होंने दबाव में खुद को कैसे संभाला. उन्होंने युवा टीम का नेतृत्व एक मजबूत इंग्लैंड टीम के खिलाफ किया. गंभीर ने ओवल टेस्ट जीतने के बाद गिल से कहा था कि वह अपनी सबसे कठिन परीक्षा पास कर चुके हैं. गंभीर ने युवा कप्तान के नेतृत्व कौशल की जमकर प्रशंसा की.

> **सबसे मुश्किल दिन आने बाकी**
>
> मुख्य कोच ने साफ किया कि गिल ने अभी तक कप्तानी के सबसे बुरे दिनों का सामना नहीं किया है, जो निश्चित रूप से आगे आएंगे. उन्होंने कहा, गिल अभी भी बहुत आगे बढ़ रहे हैं; उन्होंने अभी तक कप्तानी के सबसे बुरे दिनों का सामना नहीं किया है, जो निश्चित रूप से आएंगे. यह व्यक्तिगत रूप से और एक कप्तान के रूप में उनकी परीक्षा लेगा. मैं देखना चाहता हूँ कि जब चीज़ें उनके अनुकूल नहीं होतीं, तो वह कैसे प्रतिक्रिया देते हैं.

डाइवर्स ने एशियन चैम्पियनशिप में पदक जीता

विल्सन और इंडिवर अब एशियाई खेलों की तैयारी में जुटे

इम्फाल, 15 अक्टूबर.मणिपुर के डाइवर्स विल्सन सिंह निंगथौजम और इंडिवर सायरेम ने इस महीने अहमदाबाद में हुए एशियन एक्वाटिक्स चैम्पियनशिप में भारत का पहला पदक जीतकर इतिहास रचा और अब उनका लक्ष्य अगले साल जापान में होने वाले एशियाई खेल हैं.

आर्मी के हैवलदार विल्सन निंगथौजम ने 10 मीटर सिंक्रोनाइज्ड प्लेटफॉर्म इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि 15 वर्षीय इंडिवर सायरेम ने अंगूठे की चोट के बावजूद साथ में मुकाबला किया. दोनों अब अपने घर इम्फाल लौटकर एशियाई खेलों की तैयारी कर रहे हैं.

विल्सन ने बताया कि उन्होंने सात साल की उम्र में किकबॉक्सिंग से अपने खेल करियर की शुरुआत की और नौ साल की उम्र में जिमनास्टिक्स में प्रवेश किया. 11 साल की उम्र में उन्होंने डाइविंग शुरू की और 2013 से पुणे स्थित आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टिट्यूट में प्रशिक्षण ले रहे हैं. वह इम्फाल ईस्ट जिले के कोंगबा नंदेइबाम से हैं.

> इंडिवर ने कहा कि अंगूठे की चोट के बावजूद उनके सीनियर्स और कोचों ने उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने बताया कि नौ साल की उम्र से डाइविंग की ट्रेनिंग ले रहे हैं और स्द्ध पुणे में 2018 से अभ्यास कर रहे हैं.

तन्वी, उन्नति और रक्षिता क्वार्टर की राह पर तेज़

ज्ञान दत्तू ने किया शानदार पलटवार, भव्या-विशाखा जोड़ी भी अगले दौर में

गुवाहाटी, 15 अक्टूबर (वार्ता) शीर्ष वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा, आठवीं वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और दसवीं वरीयता प्राप्त रक्षिता श्री रामराज ने बुधवार को यहां नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में जारी योनेक्स सनराइज बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2025 के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने से पहले कुछ तनावपूर्ण क्षणों को पार किया.

तन्वी ने इंडोनेशिया की ओई विनार्टो को 15-12, 15-7 से हराया, उन्नति ने अमेरिका की एलिस वांग को 15-8, 15-5 से हराया और रक्षिता ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सिंगापुर की आलिया जकारिया को 11-15, 15-5, 15-8 से हराया. लड़कियों ने संभावित पदक की ओर अपना अभियान जारी रखा है, लेकिन लड़कों के एकल वर्ग में भारत की उम्मीदें केवल ज्ञान दत्तू टीटी पर टिकी हैं, जिन्होंने राउंड ऑफ 32 में 15वीं वरीयता प्राप्त सूर्याक्ष रावत को 11-15, 15-6, 15-11 से हराया. भव्या छाबड़ा और विशाखा टोप्पो की मिश्रित युगल जोड़ी भी अगले दौर में पहुंच गई.

नियम 14 नवंबर तक आम जनता से मांगी राय, पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर

खेल मंत्रालय ने जारी किए प्रशासन नियमों के मसौदे

- तीन मसौदे : राष्ट्रीय खेल निकाय, राष्ट्रीय खेल बोर्ड और खेल न्यायाधिकरण
- नियम राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 के कार्यान्वयन को सुगम बनाएंगे

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन से जुड़े तीन मसौदा नियम जारी किए हैं और इन पर आम जनता व हितधारकों से प्रतिक्रिया मांगी है. ये मसौदे राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल निकाय) नियम, राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल बोर्ड) नियम और राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण) नियम के नाम से तैयार किए गए हैं.

मंत्रालय के अनुसार, ये नियम राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 के कार्यान्वयन को सुगम बनाने के लिए तैयार किए गए हैं. इस विधेयक को 11 अगस्त को लोकसभा और 12 अगस्त को राज्यसभा से पारित किए जाने के बाद 18 अगस्त को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई थी.इस विधेयक का उद्देश्य खेल निकायों के प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना, खिलाड़ियों के हितों की रक्षा करना और देश में खेलों के लिए एक मजबूत प्रशासनिक ढांचा तैयार करना है.

राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल निकाय) नियमों के मसौदे में उत्कृष्ट खिलाड़ियों की भागीदारी, आम सभा और कार्यकारी समिति की संरचना, चुनाव प्रक्रिया, अयोग्यता मानदंड तथा राष्ट्रीय खेल निकायों और क्षेत्रीय महासंघों के पंजीकरण संबंधी प्रावधान शामिल हैं.

> राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल बोर्ड) नियमों का मसौदा राष्ट्रीय खेल बोर्ड की संरचना, अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया, चयन समिति के गठन, स्टाफिंग व्यवस्था और केंद्र सरकार द्वारा दी जा सकने वाली छूट से संबंधित प्रावधान तय करता है. वहीं राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण) नियमों का मसौदा खेल विवादों के शीघ्र निपटारे के लिए संस्थागत ढांचे, अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति, कार्यकाल, सेवा शर्तें तथा न्यायाधिकरण की शक्तियों और प्रक्रियाओं को परिभाषित करता है. मंत्रालय ने बताया कि इन मसौदों पर 14 नवंबर 2025 तक सुझाव और टिप्पणियां आमंत्रित की गई हैं. इच्छुक व्यक्ति और संस्थान मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध प्रारूप में अपनी राय भेज सकते हैं.